प्रातः क्लास 14/11/68 ओमशांति पिताश्री शिवबाबा याद है?
ओमशांति। मीठे-2 रूहानी बच्चों प्रति रूहानी बाप समझा रहे हैं। रूहानी बाप को ही पतित-पावन कहा जाता है। वही पतितों को पावन बना सकते हैं। और कोई कब भी पावन बन नहीं सकते और सतयुग में ही पावन होते हैं। यथा राजा-रानी तथा प्रजा। यहाँ सभी पतित ही हैं। पतित-पावन एक को ही कहा जाता है। तुम सभी स्टूडेंट हो एक पतित-पावन बाप के। यहाँ आये हो पतित से पावन बनने। ऐसे और कोई स्टूडेंट होते ही नहीं। वह तो गंगा जी पर जाते हैं, बुद्धि में पानी ही रहता है। ऐसे और कोई भी सतसंग में नहीं समझेंगे, हम यहाँ पावन होने बैठे हैं। तुम बच्चे जानते हो पतित-पावन एक ही बाप है। यह भी पतित है। वह (विष्णु) है पावन। यह चित्र भी अनादि है। विष्णु सो ब्रह्मा। ब्रह्मा सो विष्णु। विष्णु पावन, ब्रह्मा पतित। पतित ब्रह्मा सो विष्णु पावन। इनको पावन नहीं कहेंगे। इनमें पावन बनाने वाला तुमको सिखलाते हैं–हे आत्माए! मेरे साथ योग लगाओ। और कोई सतसंग में किसकी बुद्धि में यह ख्याल भी नहीं होगा कि हम पावन बनते हैं। यहाँ बच्चों को यह शिक्षा मिलती है, घर में बैठे भी अपन को आत्मा समझ बाप को याद करते रहो। बाप डायरैक्शन देते हैं मामेकं याद करो। कहाँ भी जाओ अपन को आत्मा समझ बाप को याद करो पावन बनने लिए। विलायत में भी रहते हैं ना। एक युगल जिन्होंने गंधर्व विवाह किया है और वहाँ उन्हों को यही धुन है पावन बन औरों को पावन बनावें। एमऑबजेक्ट ही यह है हमको यह देवता बनना है; क्योंकि तुम जानते हो ब्रह्मा सो विष्णु। तो ब्रह्मा के तुम बच्चे भी ऐसे हो। ब्रह्मा कहेंगे तत त्वम्। तुम भी पवित्र बनते हो सो ना॰ बनने लिए। तुम भी कहेंगे बाबा आप जैसे ब्रह्मा सो ना॰ बनते हो, हम भी आपके बच्चे ब्राह्मण, बाबा को याद कर हम सो ना॰ बनते हैं। यह तो सहज है ना। यह भूलना न चाहिए; परंतु माया भी पूरी युद्ध करती है। बॉक्सिंग है ना। बाप कहते हैं कहाँ भी जाओ, लक्ष्य तो मिला हुआ है बाप को याद करना है। बाप आत्माओं को बैठ समझाते हैं। शरीर तो विनाशी है। यही समय है जिसमें तुम बच्चों को रियलाइज़ करना है मैं आत्मा हूँ, क्या हूँ, कैसे हूँ। यह भी बाप बैठ समझाते हैं। ऐसे बाप को ठिक्कर-भित्तर में डाल दिया है। तो खुद भी पत्थर बुद्धि ठहरे ना। फिर वह बेहद का बाप ही आकर पत्थर बुद्धि से पारस बुद्धि बनाते हैं। बाप जो बच्चों को समझाते हैं वह फिर धारण करना है। और कोई भी सतसंग आदि में ऐसे बाप को याद नहीं करते होंगे। तुम जानते हो बाप को याद करने से हम मनुष्य से देवता, पावन बनेंगे। पुरानी दुनिया खलास होती है, नई दुनिया शुरू होती है। नई दुनिया के लिए तो ज़रूर देवताएँ चाहिए ना। शास्त्रों में गपोड़ा लगा दिया है। सच्चा बाप ही सच बताते हैं। वह तो बाप को जानते ही नहीं। इसलिए ऑरफन बन पड़ते हैं। यह सभी बातें अभी तुम जानते हो विश्व में शांति स्थापन करने। वह लोग कितना खर्चा करते हैं। धक्का खाते हैं विश्व में शांति के लिए। समझते हैं सभी आपस में मिल एक हो जायें। अभी तुम समझते हो हम सभी आत्माएँ कैसे शांतिधाम चली जावेंगी। हम भाई-2 हैं। फिर हम आवेंगे नई दुनिया में पार्ट बजाने। वहाँ विश्व में शांति रहती है। यहाँ तो विश्व में दुःख है ना। कितनी मारा-मारियाँ आदि हैं; परंतु पत्थर बुद्धि होने कारण यह भी नहीं जानते कि विश्व में शांति थी। बाप बैठ तुम बच्चों को सभी समझाते हैं ऐसे-2 समझाओ। 5000 वर्ष पहले विश्व में शांति थी। हरेक बात बुद्धि में चाहिए; परंतु देह-अभिमान कारण भूल जाते हैं। भल अच्छे-2, बड़े2 महारथी हैं; परंतु याद की यात्रा है नहीं तो प्वाइंट्स सभी भूल जाते हैं। वास्तव में है बहुत सहज। आज से 5000 वर्ष पहले पैराडाइज़ अथवा विश्व में शांति थी अथवा स्वर्ग था। स्वर्ग में तो ज़रूर शांति ही होगी। वहाँ है ही एक धर्म। कोई भी कहे विश्व में शांति चाहते हैं, बोलो–विश्व में शांति, चलो तो दिखावें। इनके राज्य में विश्व में शांति थी। अभी स्थापना हो रही है। एकदम संगमयुग पर ले जाओ। बाबा यह भी कहते रहते हैं संगमयुग को बहुत अच्छा प्रॉमिनंट कर बनाओ, जो कोई भी देखे तो समझाओ इस तरफ है विश्व में शांति और इस तरफ है विश्व में अशांति। कपड़े पर वा रेगज़ीन पर बना

हुआ चित्र होगा तो रोल कर कहाँ भी ले जा सकते हैं। यह है संगम। एक तरफ है शांति, दूसरे तरफ है अशांति। ऊपर में सभी आत्माएँ रहती हैं। वह तो है ही शांतिधाम। कितना सहज है! चित्र ऐसा बना हुआ हो जो मनुष्य देख वण्डर खावें, हम जो विश्व में शांति के लिए इतना माथा मारते रहते हैं, यह बेबी तो बहुत बात सुनाती हैं। बाबा ने कहा है यह दो चित्र झाड़, त्रिमूर्ति, गोला ही मुख्य हैं। इनमें सारी नॉलेज है। विलायत में भी तुम जाकर इस पर अच्छा समझा सकते हो; परंतु इतना कोई निश्चय बुद्धि, हिम्मत वाला एक भी न बना है। बाबा तो कहते हैं मैं कोई को भी भेज सकता हूँ। अंग्रेजी तो सीखा हुआ होना चाहिए। साथ में इंटरप्रेटर हो तो भी बहुत सर्विस कर सकते हैं। बोलो, हम विश्व में शांति कैसे हो इसका रास्ता बताते हैं। अच्छे-2 ऑफीसर को भी चटक लगाये सकते हो नब्ज़ देखकर। नब्ज़ देखने से ही मालूम पड़ता है, देखें इनका गॉड फादर से लव है। फादर फादर से यह स्वर्ग का वर्सा मिलता है। हेविन तो ज़रूर बाप ही स्थापन करेंगे ना। वह गॉड फादर ही लिबरेट(र), गाइड है। तो ज़रूर यहाँ आवेंगे तब तो गाइड करेंगे ना। वह इनकॉरपोरियल गॉड फादर हमको हेविन में ले जाने का रास्ता बता रहे हैं। हम उस गॉड फादर से मिलने जाते हैं। ऑफीसर झट छुट्टी दे देगा; क्योंकि यह है रूहानी ताकत। वह है जिस्मानी ताकत। माया में भी तो ताकत है ना। अल्पकाल का सुख दे सकते हैं। वह लोग जादू आदि बैठ दिखाते हैं तुम खुश होते हो; परंतु वह कुछ भी नहीं है। अल्पकाल लिये सभी हैं। उनमें कोई भी ज्ञान नहीं। बाप तो ज्ञान का सागर है। ऑफीसर आदि को बैठ समझाओ तो वह भी कुर्बान जावें। बहुत तुमको रिगार्ड से देखे। भल ऑफीसरपने का नशा रहता है; परंतु अंदरूनी तुमको लव करेंगे। बोलो, गॉड फादर लिबरेटर गाइट कैसे बनेंगे? ज़रूर यहाँ आना पड़ेगा ना। ऊपर में सभी आत्माएँ और बाप रहते हैं। सभी को भेज देते हैं पार्ट बजाने। यहाँ आते हैं तो सभी बाबा बाबा कहते रहते हैं। तुम जानते हो स्वर्ग में कोई भी बाप को याद नहीं करते; क्योंकि वहाँ तो बाप से सुख का वर्सा मिला हुआ है। बाप की याद आने की दरकार नहीं। फिर जब रावण राज्य में दुःखी होते हैं तब बाप को याद करते हैं। अभी तुम समझते हो कल बाबा ने हमको वर्सा दिया था जो फिर रावण राज्य में गंवाये दिया। कल और आज की बात है। हम कल देवता थे। आज असुर हैं। आज असुर हैं फिर कल देवता बनेंगे। यह ब्रह्मा तो मनुष्य है ना। इनको देवता नहीं कहा जा सकता। देवताएँ होते ही हैं सतयुग में। ब्रह्मा का भी ऑक्युपेशन चाहिए। ब्रह्मा को भी गुम कर दिया है तो शिव को भी गुम कर दिया है। न बाबा है, न चोटी है। यह बड़ी महीन गुप्त बातें हैं। बाप भी गुप्त है ना। वही ज्ञान का सागर है जिसको ही चैतन्य बीज रूप कहा जाता है। वही आकर नॉलेज देते हैं। वह लिबरेटर भी है, पतित-पावन भी है। और की यह महिमा हो न सके। वह फादर भी है, टीचर भी है, गुरु भी है। यह कोई को भी पता नहीं है। कृष्ण को टीचर कह न सके। वह तो खुद ही पढ़ने जाते हैं। वहाँ स्कूल में कैसे जाते हैं? एरोप्लैन में। यह भी तुम बच्चों को सा॰ कराया है। यह भी तुम जानते हो पहले नम्बर यह ल॰ना॰ बनते हैं। बाबा कहते हैं हम जो बनते हैं मनुष्य से देवता, तत त्वम्। तुम भी पढ़ते हो ना। निराकार बाप तुमको साकार में आये तुम बच्चों को बहुत सहज रीति युक्तियाँ बताते हैं। ऐसे कोई कब सिखला न सके। इनका नाम ही है सहज ज्ञान। विश्व का मालिक बनना कितना सहज है। सिर्फ कहते हैं अलफ अल्ला को याद करो। अल्ला से ज़रूर नई दुनिया की बादशाही मिलेगी। सेकण्ड में जीवनमुक्ति कहा जाता है ना। देवता बनने में एक सेकण्ड लगता है। बाकी फिर ऊँच पद पाने लिये मेहनत करनी है। सिर्फ इसमें खुश नहीं होना है हम तो स्वर्ग में जावेंगे; परंतु स्वर्ग में क्या भी बनेंगे? नम्बरवार पोज़ीशन तो होंगे ना। ऊँच ते ऊँच महाराजा बनेंगे या कम? प्रजा का भी समझाया है, जो सभी कुछ ट्रांसफर करते हैं 21 जन्मों के लिए वह ज़रूर पद भी ऐसे पावेंगे। तुम सभी कुछ ट्रांसफर करते हो ना। यहाँ एक बार ईश्वरीय बैंक में ट्रांसफर किया वह फिर नई दुनिया में मिलना है। यहाँ तुम अविनाशी बैंक में जितना डालते हो वह बहुत जल्दी बढ़... जाती है। 21 जन्मों के लिए पूँजी बन जाती है।

यह तो समझते हो अभी विनाश होना है। सभी कुछ खत्म हो जावेगा। आगे चल बहुत सा॰ आदि होंगे; परंतु कर क्या सकेंगे। बाप तो लेंगे नहीं। बाप कहते हैं मैं पक्का सराफ़ हूँ। ऐसा थोड़े ही लूँगा जो हमारे काम भी न आये और भरकर देना पड़े। हरेक बात में नम्बरवन हूँ। धोबी, बैरिस्टर आदि सभी मैं एक ही हूँ। सभी को दुखों से छुड़ा देता हूँ। वह जज आदि हद के फांसी देने से छुड़ाते हैं। मैं तो सभी काम बेहद का करता हूँ; क्योंकि मैं हूँ ही बेहद का। तो ऐसे ऊँच ते ऊँच बाप को रिगार्ड भी देना है। ऊँच ते ऊँच भगवान है उनको फादर भी कहा जाता है सभी आत्माओं का। उनकी मंदिर भी कितनी ऊँच बनाते हैं। अभी तुम समझते हो वह भगवान है, वह देवता है। जिनका चित्र नहीं है वह है भगवान। वह देवताएँ। यहाँ है मनुष्य। इन्हों को देवता बनाने वाला ऊपर में शिवबाबा है। शिव को पूजते हैं। शिवकाशी शिवकाशी कहते भी हैं। शिव के मंदिर जहाँ-तहाँ हैं। बाबा का सभी तरफ चक्र लगाया गया हुआ है। काशी में भी जाता था। वानप्रस्थ में काशी वास करने लिए मनुष्य जाकर बैठते हैं। याद शिव को करते हैं; परंतु उनकी ऑक्युपेशन का पता नहीं है। शिवकाशी विश्वनाथ गंगा। रात-दिन यह रटते रहते हैं। आगे तो कुछ भी नहीं समझते थे। कोई समझता नहीं है तो कहते हैं तुम तो जैसे उल्लू हो। बेसमझ को उल्लू कहा जाता है। ज्ञान न है तो जैसे उल्लू हैं। उल्लुओं के झुण्ड हैं। अभी उल्लू को देखें या अल्ला के बच्चे को देखें। अल्ला के बच्चे तो सभी यहाँ हैं। बाप तो कहेंगे हम तो अपने बच्चों को ही देखते रहें। बच्चे भी बाप को देखते रहें। नज़र तो बच्चों पर ही पड़ती है। ज्ञान है ना सभी आत्माएँ; परंतु यह बच्चे हमसे वर्सा ले रहे हैं, पढ़ रहे हैं। तुमको दखने से बाप खुश होते हैं। बाहर वालों को देखकर इतना खुशी नहीं होगी। वह तो हैं ही बाहर के। वह तो उल्लू हैं समझ तो रहती है ना। बाप देखते हैं यह बहुत अच्छा बच्चा है इनका अच्छा होना सम्भव है। इनमें इतनी उम्मीद नहीं है। यह बहुत अच्छी सर्विस करेंगे। पद भी ज़रूर अच्छा पावेंगे। इस दृष्टि से हरेक को देखते रहते हैं। इनमें आगे इतना दम न था। अभी दिन-प्रतिदिन पुरुषार्थ करते रहते हैं। माया भी बड़ी दुश्मन है। लड़ाई होती है ना। इस युद्ध के मैदान को कोई जानते ही नहीं, माया बड़ी प्रबल है। देहीअभिमानी बनने में बड़ी मेहनत लगती है। अच्छे-2 योद्धे ... भी माया से लड़ते-2 फां हो (जाते) हैं। फिर सावधनी मिलने से चढ़ जाते हैं। बाहर में जाने से ठंडे पड़ जाते हैं। विलायत में एक ही युगल अच्छा है जो वहाँ क्लास भी चला रहे हैं। वहाँ तो हैं अंग्रेज़ी पढ़ने वाले। अंग्रज़ी मुरली, अंग्रेज़ी मैंग्ज़ीन उनके पास जायें तो कितने का कल्याण हो जाये। अगर कोई देही अभिमानी पक्का हो तो बाबा के वचनों को झट पकड़ ले और अंग्रेज़ी में मैग्ज़ीन निकाल दे; परंतु ऐसी अच्छे देही अभिमानी तो कोई है नहीं। इंग्लिश में ट्रांसलेट करने में कोई देरी थोड़े ही लगती है। सारी मैग्ज़ीन इंग्लिश में निकाले। उनको हज़ार इनाम भी दे सकते हैं। इनाम तो बाबा बैकुण्ठ की बादशाही देते हैं; परंतु आफरीन मिलती है ना। बहुत इंग्लिश पढ़ेंगे तो बहुतों की आशीर्वाद मिलेगी। आजकल प्वाइंट्स भी बहुत अच्छी निकलती है। मुख्य बात तो यह डालनी है विश्व में शांति कैसे, पैराडाइज़ कैसे स्थापन होता है। तो विलायत वाले देख वण्डर खावेंगे। फिर वहाँ विलायत में भी डाल सकते हैं; परंतु ऐसी विशाल बुद्धि बाबा का राइट हैंड तो कोई है नहीं। सेंसीबुल बच्चा हो, इंग्लिश में बहुत होशियार हो तब लिख सके। विश्व में शांति तो कोई बड़ी बात है नहीं। तुम कर रहे हो। कल्प-2 तुम करते हो। तो ऐसा अच्छा कर डालना चाहिए जो कोई भी पढ़े मालूम पड़े। विश्व में शांति कैसे स्थापन हो रही है यह संस्था तो ठीक बताती है; क्योंकि वह सभी हैं शास्त्रों के आधार पर। ज़रूर कोई निकलेंगे जो अंग्रेज़ी में भी मैग्ज़ीन निकालेंगे। गुजराती में भी बन जावेंगे। समय पर सभी को मालूम पड़ जावेगा। बाप का परिचय तो चाहिए ना। बाप भी स्टेज पर आये हैं। सभी को वापस घर ले जावेंगे। यह बेहद का घर है। उनको कोई भी नहीं जान(ते)। बाप ही नॉलेजफुल है। अच्छा, मीठे-2 सिकीलधे रूहानी बच्चों को रूहानी बाप दादा का यादप्यार गुडमॉर्निंग। रूहानी बच्चों को रूहानी बाप का नमस्ते।